

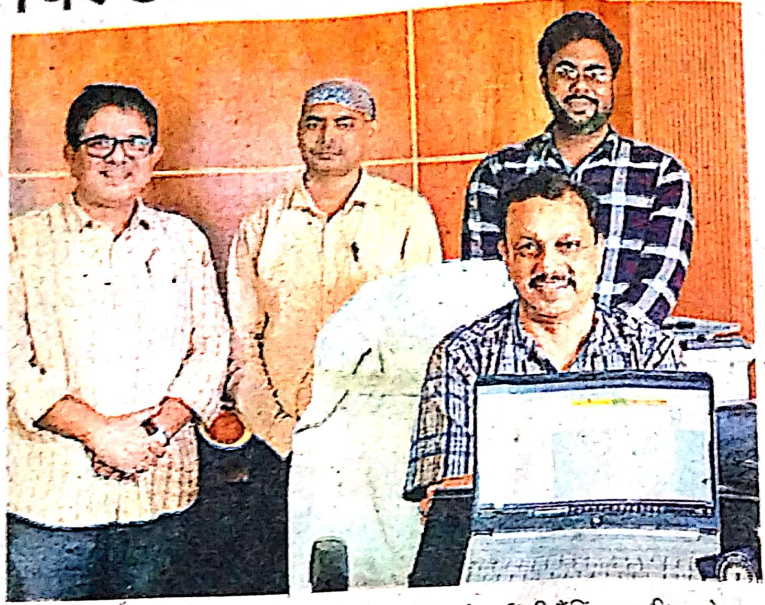
ख्या का लाभ टाप-10 प्रोजेक्ट और बिल्डरों की रैंकिंग जारी

गी

स्टेडियम पर बीसीसीआइ खर्च करेगा 400 करोड़

एक वर्ष
टी में
संग्रह
देते हुए
सचिव
गने
में
शर)
न चार
सटी
उससे
य में
ना भी
पटना
रियों
ने

बिहार की कार्य-संस्कृति को समय के अनुकूल होने की प्रेरणा देते हुए सम्राट ने कहा कि जाने क्यों यहाँ के अधिकारी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड में काम करने के क्यों कतराते हैं! पिछले दिनों खेल विभाग के अधिकारी मेरे पास 350 करोड़ से मोड़नुल हक क्रिकेट स्टेडियम के पुनर्निर्माण का प्रस्ताव लेकर आए थे। मैंने पीपीपी मोड में काम करने का सुझाव दिया। बीसीसीआइ के सचिव जय शाह से मैंने बात की। सहमति बन गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) लगभग 400 करोड़ खर्च कर स्टेडियम का पुनरोद्धार-पुनर्निर्माण कराने के लिए तैयार है।



पटना में सोमवार को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट और प्रमोटर्स की रैंकिंग जारी करते बिहार रेरा के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह। ● जागरण

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना : नया आशियाना तलाशने वाले लोग अब बेहतर प्रोजेक्ट की पहचान आसानी से कर सकेंगे। बिहार रेरा ने पहली बार निर्बंधित रियल एस्टेट प्रोजेक्ट और प्रमोटर-बिल्डरों की रैंकिंग जारी की है। रेरा की ओर से सोमवार को उन शीर्ष दस निर्माणाधीन परियोजनाओं और प्रमोटरों की रैंकिंग जारी की गई, जिनकी परियोजनाएं रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 के लागू होने के बाद प्राधिकरण के साथ निर्बंधित हुई हैं। भावी घर/प्लॉट खरीदार इस रैंकिंग को बिहार रेरा की वेबसाइट - (<https://rera.bihar.gov.in>) पर देख सकते हैं। परियोजनाओं की रैंकिंग के लिए 'बिहार रियल एस्टेट प्रोजेक्ट कोसेंट (बीआरक्यू)' और प्रमोटर-बिल्डर के लिए 'बिहार रेरा प्रमोटर्स कोशेंट (बीपीक्यू)' नाम दिया गया है। बिहार रेरा के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने कहा कि अभी हम दोनों श्रेणियों से शीर्ष दस की सूची जारी कर रहे हैं। परियोजनाओं की रैंकिंग

भावी घर/प्लॉट खरीदार इस रैंकिंग को बिहार रेरा की वेबसाइट - <https://rera.bihar.gov.in> पर देख सकते हैं

के संबंध में हमने भौतिक प्रगति, आवंटियों से एकत्र किए गए धन का उपयोग और परियोजना के प्रमोटर के खिलाफ दायर शिकायतों और ऐसे अन्य मामलों जैसे कारकों को ध्यान में रखा है। पंजीकृत प्रमोटरों की रैंकिंग के संबंध में, अनुभव, पंजीकृत परियोजनाओं की संख्या, परियोजनाओं के समय पर पूरा होने और कानूनी मामलों आदि जैसे कारकों को ध्यान में रखा गया है। रैंकिंग गतिशील रहेगी और पंजीकृत परियोजनाओं के बिल्डरों के द्वारा किए गए अनुपालन के आधार पर यह बदलती रहेगी। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य प्रमोटर्स-बिल्डरों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू करना है, जिससे वह विभिन्न मापदंडों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करके अपने स्कोर को सुधारने का प्रयास करें।

द्वेगे बीपीएससी के अध्यक्ष और सदस्यों का वेतन होगा एकसमान

करेगा। राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना : बिहार राज्य धार्मिक न्यास पंथ के अध्यक्ष व सदस्यों का वेतन बिहार लोकसेवा आयोग (बीपीएससी) के अध्यक्ष व सदस्यों के समान होगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सोमवार को इस आशय का संकल्प जारी किया है। संकल्प में इस बात का जिक्र है कि किसी अन्य आयोग व बोर्ड से इस संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने पर समरूप व्यवस्था के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा निर्णय लिया जाएगा। विभाग द्वारा जारी संकल्प में कहा गया है कि इस वर्ष 22 जनवरी को बिहार राज्य धार्मिक न्यास पंथ की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पंथ के अध्यक्ष व सदस्यों का वेतन बीपीएससी के अध्यक्ष व सदस्यों के समान किया जाए।

भारते सिन्हा गणतन्त्र से मिले

माकपा का जिला
पञ्चालयों में पांच